प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–II, 2017

हिन्दी

समय – 3 घंटे **कक्षा – दसवीं** **पूर्णांक – 90**

Date – 07.03.2017 (Tuesday)

Name of the student _____ Section _____

निर्देष –
1. **इस प्रष्न पत्र के चार खंड हैं – अ, ब, स और द ।**
2. **चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।**
3. **यथासंभव प्रष्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।**
4. **इस प्रष्न–पत्र में 07 पृष्ठ हैं। कृपया जाँच कर लें ।**

खण्ड 'अ'

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखें – (1×5=5)

हमारी मध्यकालीन व्यवस्था में एक ऐसी अच्छाई थी, जिसे यदि निभाया जाए तो बहुत अच्छा होगा। मोहल्ले–टोले, गांव–कस्बे आदि में दूसरे को सहारा देने, अपने दुश्मन को भी पारिवारिक कष्ट में जानकर उसे मदद देने की स्वस्थ परंपरा थी, जो धीरे–धीरे समाप्त होती जा रही है। कुछ तो शहरी संस्कृति और कुछ निहित स्वार्थों की मुठभेड़ इन्हें मिटा रही है। इसके बाद भी कुछ इक्का–दुक्का ऐसी खबरें दिखाई दे जाती हैं तो मन को यह राहत मिलती है कि हमारे देश के छोटे–छोटे गांव–कस्बों के नितांत साधारण लोग इंसानियत के तौर पर हमदर्दी, प्यार, आपसी समझदारी और सहारे से राष्ट्रनिर्माण के उस पुनीत कार्य में लगे हैं, जो प्रचार से दूर अपने कार्य में जुटे हुए हैं। इस झूठ और दंभयुक्त प्रचार के कोलाहल में मन की सच्चाई, ईमानदारी, नेकी और मानवीयता के बीज ऐसे ही लोग बो रहे हैं। यदि देश के एक भी बच्चे के मन में उन्होंने स्वाभिमान जगाया और प्रकाश दिया तो वह दस हज़ार वोट एकत्र करने से अधिक ठोस कार्य होगा ।

क) हमारी मध्यकालीन व्यवस्था में एक ऐसी अच्छाई थी जिसे यदि निभाया जाए तो –

अ) बहुत बुरा होगा
ब) बहुत अच्छा होगा
स) संभव नहीं होगा
द) असंभव नहीं होगा

ख) 'जो धीरे–धीरे समाप्त होती जा रही है' पंक्ति में संकेत किया गया है –

अ) त्योहारों को मनाने की ओर
ब) अच्छाई को साथ देने की ओर
स) मोहल्ले–टोले, गांव–कस्बे आदि में दूसरे को सहारा देने, अपने दुश्मन को भी पारिवारिक कष्ट में जानकर उसे मदद देने की स्वस्थ परंपरा की ओर
द) अवसरवाद के अपनाने की ओर

ग) राष्ट्रनिर्माण का कार्य संभव है –

अ) सच्चाई, ईमानदारी, नेकी और मानवीयता के बीज बोकर
ब) स्वाभिमान, प्रकाश और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना जगाने के द्वारा
स) एक–दूसरे की मदद करके तथा एक दूसरे की बात का सम्मान करके
द) अच्छाई की बातों का प्रचार करके इस बात को समाज में फैलाने के द्वारा

घ) उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है –

अ) मध्यकालीन व्यवस्था
ब) राष्ट्र निर्माण की भावना
स) भारत की प्रगति
द) ग्रामीण और शहरी संस्कृति में अंतर

ङ) दस हज़ार वोट एकत्र करने से अधिक ठोस कार्य होगा –

अ) गरीबों को न्याय तथा पानी की कमी वाले गाँवों में पानी की व्यवस्था करके

ब) दुश्मनी, स्वार्थपरता और नफरत जैसी बुराइयों को दूर करके

स) लोगों में मतदान के प्रति जागरण की भावना पैदा करके

द) देश के बच्चे के मन में स्वाभिमान जगाकर तथा प्रकाश देकर

प्र.2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर चुनिए– **(1×5=5)**

सबेरे हम अपनी मंज़िल काठमांडू की ओर बढ़े । पहाड़ी खेतों में मक्के और अरहर की फसलें लहरा रही थीं। छोटे–छोटे गाँव और परकोटे वाले घर बहुत सुंदर लग रहे थे। शाम होते–होते हम काठमांडू पहुँच गए । आज काठमांडू पर लिखते हुए अंगुलियाँ काँप रहीं थीं। वैसे ही जैसे पच्चीस अप्रैल को काठमांडू की धरती काँप उठी थी । न्यूज़ चैनल जब धरहरा स्तंभ को भरभराकर गिरते दिखा रहे थे, मेरा मन बैठा जा रहा था । क्या हुआ होगा धरहरा के इर्दगिर्द फेरी लगाकर सामान बेचने वालों का ? और उस बाँसुरी वादक का जिसके सुरों ने मन मोह लिया था । और वे पर्यटक जो धरहरा के सौंदर्य में बिंधे उसका सौंदर्य निहारते। सब कुछ जानते हुए भी मन यही कह रहा है कि सब ठीक हो ।

रात को हम बाज़ार गए। बाज़ार इलेक्ट्रॉनिक सामानों से अटा पड़ा था और दुकानों की मालकिनें मुस्तैदी से सामान बेच रही थीं। हमारे हिमालयी क्षेत्रों की तरह यहाँ भी अर्थव्यवस्था का आधार औरतें हैं। क्योंकि पहाड़ों पर पर्याप्त ज़मीन नहीं होती और रोजगार के साधन भी बहुत नहीं होते, सो घर के पुरुष नीचे मैदानी इलाकों में कमाने जाते हैं और घर परिवार की सारी जिम्मेदारी महिलाएँ उठाती हैं। यहाँ गाँव की महिलाएँ खेती और शहर की महिलाएँ व्यवसाय सँभालती हैं। मैंने देखा वे बड़ी कुशलता से व्यवसायिक दाँव–पेंच अपना रही थीं।

हम पोखरा होते हुए लौट रहे थे। रास्ते भर हिमाच्छादित चोटियाँ आँख मिचौली खेलती रहीं। राह में अनेक छोटे–बड़े नगर–गाँव और कस्बे आते रहे। नेपाली औरतें घरों में काम करती नज़र आ रही थीं। मक्का कटकर घर आ चुकी थी। उसके गुच्छे घर के बाहर खूँटियों के सहारे लटके नज़र आ रहे थे। अब हम काली नदी के साथ–साथ चल रहे थे।

क) काठमांडू पर लिखने के लिए लेखक की अंगुलियाँ क्यों काँप रही थीं ?

अ) नेपाल में आया भूकंप याद हो आया

ब) आतंकवादी हमले की आशंका थी

स) लेखक के हाथ में चोट थी

द) धरहरा स्तंभ अब कभी नहीं देख पाएगा

ख) लेखक दुखी और हताश क्यों था ?

अ) धरहरा स्तंभ भूकंप में तहस–नहस हो गया था

ब) न्यूज चैनल जब धरहरा स्तंभ दिखा रहे थे

स) लग रहा था जीवन क्षणभंगुर है

द) प्राकृतिक आपदा कहीं भी आ सकती हैं

ग) फेरीवाले और बाँसुरी वादक के लिए लेखक क्यों दुखी है ?

अ) भूकंप में वे नहीं बचे होंगे

ब) उनका काम–धंधा ठप्प हो गया होगा

स) उनकी मुलाकात को कुछ समय ही हुआ था

द) उनसे अच्छी दोस्ती हो गई थी

घ) नेपाल में अर्थव्यवस्था का आधार औरतें क्यों हैं ?

अ) पुरुष रोज़गार के लिए बाहर जाकर काम करते हैं

ब) महिलाएँ ज़्यादा जिम्मेदार होती हैं

स) महिलाएँ पुरुषों पर कम विश्वास करती हैं

द) महिलाएँ मोल–भाव अच्छी तरह करती हैं

ङ) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्शक होगा –

अ) काठमांडू की यात्रा ब) पर्यटन और नेपाल

स) बाज़ार सँभालती नेपाली औरतें द) भूकंप के बाद का शहर

प्र.3 प्रस्तुत काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – **(1×5=5)**

वीर जवानो, सुनो, तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है।
जिस धरती को तुमने सींचा
अपने खून–पसीनों से,
हार गई दुश्मन की गोली
बज्र सरीखे सीनों से।
जब–जब उठीं तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।
जिस धरती के लिए सदा
तुमने सब कुछ कुर्बान किया,
शूली पर चढ़–चढ़ हँस–हँसकर
कालकूट का पान किया।
जब–जब तुमने कदम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।
उस धरती को टुकड़े–टुकड़े
करना चाह रहे दुश्मन,
बड़े गौर से अज़ब तुम्हारी
चुप्पी थाह रहे दुश्मन,
जाति–पाँति, वर्गों–फिरकों के, वह फैलाता जाल है।
कुछ देशों की लोलुप नज़रें
लगी तुम्हारी ओर हैं,
कुछ अपने ही जयचंदों के
मन में बैठा चोर है।
सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है।

क) अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए वीरों ने क्या किया ?

अ) अपने सीने पर दुश्मनों की गोलियाँ खाईं ब) हँसते–हँसते फाँसी पर चढ़ गए

स) खुशी–खुशी विषपान कर गए द) उपर्युक्त सभी

ख) धरती के दुश्मन कौन हैं ?

अ) जो धरती पर हमला करते हैं ब) जो धरती के पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं

स) जो लोगों से दुश्मनी रखते हैं द) जो जाति–पाँति, ऊँच–नीच की भावनाएँ भड़काकर मातृभूमि के टुकड़े करते हैं

ग) 'अपने ही जयचंदों' से क्या तात्पर्य है ?

अ) जयचंद नामक लोगों से ब) जो विपत्ति के समय लोगों की मदद करते हैं

स) जो मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देते हैं
द) जो मातृभूमि के दुश्मन हैं तथा दुश्मनों का साथ देते हैं

घ) 'सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल हैं' – पंक्ति का आशय स्पश्ट कीजिए।

अ) छद्मवेशधारी लोगों को सावधान करने की आवश्यकता है
ब) देश–प्रेम की बातें करते हुए दुश्मनों का साथ देने वालों को चेतावनी दी गई है

स) मातृभूमि पर आँख उठानेवालों को सावधान करने की बात कही गई है
द) मातृभूमि के प्रति स्वार्थी लोगों को सावधान किया गया है।

ङ) 'उस धरती के टुकड़े–टुकड़े' में कौन–सा अलंकार है ?

अ) अनुप्रास अलंकार
ब) रूपक अलंकार

स) उपमा अलंकार
द) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

प्र.4 प्रस्तुत काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – **(1×5=5)**

एक बच्ची उधर
कत्थक में थिरक रही है, और
ढेर सारी बच्चियाँ
गोबर लीद ढूँढ़ते रहने के बाद
अँधेरे में दुबक रही हैं
लड़कियाँ नदी तालाब कुआँ
घासलेट माचिस फंदा
ढूँढ़ रही हैं।
और इसी वक़्त
एक लड़की चेहरे की कोमलता के बारे में
रेडियो से नुस्खा बता रही है
और असंख्य बच्चे
अँधेरे की तरफ़
दौड़ते जा रहे हैं।
उनकी स्मृतियों में इस समय
चीख़ और रुदन
और गिड़गिड़ाहट है
उनकी आँखों में
कल की छीना–झपटी और भागमभाग का
पैबंद इतिहास है

उनके भीतर शब्द रहित भय
और सिर्फ़ जख़्मी आज है
पर वे शायद अभी जानते नहीं
वे पृथ्वी के बाशिंदे हैं करोड़ों
और उनके पास आवाज़ों का महासागर है
जो छोटे से गुब्बारे की तरह
फोड़ सकता है किसी भी वक़्त
अँधेरे के सबसे बड़े समूह को ।

क) काव्यांश में उभरकर आया है –

अ) गाँव और शहर का अंतर ब) लड़के–लड़कियों में भेदभाव

स) गरीब और अमीर बच्चों का जीवन द) अँधेरे और उजाले का प्रभाव

ख) असंख्य बच्चे अँधेरे की तरफ़ दौड़ते जा रहे हैं – यहाँ 'अँधेरा' से तात्पर्य है –

अ) विषमता और भेदभाव ब) गरीबी और अज्ञान

स) चीख और रुदन द) छीना–झपटी और भागमभाग

ग) आपके विचार से कविता में कौन–सी बच्ची देश का प्रतिनिधित्व कर रही है ?

अ) कत्थक पर थिरकती ब) अँधेरे में दुबकती

स) रेडियो से नुस्खा बताती द) चेहरे की कोमलता सँभालती

घ) करोड़ों वंचित देशवासी नहीं जानते कि –

अ) उनका इतिहास महान है ब) चीख और रुदन सदा नहीं रहेंगे

स) वे शोषण के गुब्बारे को फोड़ सकते हैं द) वे व्यवस्था का विरोध कर सकते हैं

ङ) 'उनके भीतर शब्द–रहित भय और सिर्फ़ ज़ख्मी आज है' – का आशय है –

अ) वे अपने भाोषण के बारे में बताते हुए डरते हैं ब) वे आज घायल हैं

स) वे ज़ख्मों से डर जाते हैं द) चुपचाप भीतर बैठे रहना उन्हें डराता है

खण्ड 'ब'

प्र.5 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1×3=3)

क) वाक्य का भेद बताइए –

कुछ भी सीखना हो तो स्कूल जाना जरूरी नहीं ।

ख) मिश्रवाक्य में बदलिए –

इस नहर को अनेक गुमनाम और अनपढ़ माने गए लोगों ने बनाया था ।

ग) सरल वाक्य में बदलिए –

उन्हें लगता था कि नमक कर एक सामान्य सा मुद्दा है।

प्र.6 निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तित कीजिए – **(1×4=4)**

क) दादा जी के द्वारा हम सबको पुस्तकें दी गई। (कर्तृवाच्य में)

ख) उससे चला नहीं जाता । (कर्तृवाच्य में)

ग) वह तो उठ भी नहीं सकती । (भाववाच्य में)

घ) उन्होंने उछलकर डोर पकड़ ली । (कर्मवाच्य में)

प्र.7 रेखांकित पदों का पद–परिचय दीजिए – **(1×4=4)**

कब्रिस्तान की भूमि को लेकर छोटे–मोटे तनाव होते हैं। एक ऐसे ही अवसर पर मुझे पंचायत में शामिल होना पड़ा ।

प्र.8 क) काव्यांश में निहित रस पहचानकर लिखिए – **(1×4=4)**

श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे ।

सब शोक अपना भूलकर करतल युगल मलने लगे ।

ख) हास्य रस किसे कहते हैं ?

ग) शृंगार रस के स्थायीभाव का नाम लिखिए ।

घ) 'उत्साह' किस रस का स्थायीभाव है ?

खण्ड 'स'

प्र.9 निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(2+2+1)**

वही पुराना बालाजी का मंदिर जहाँ बिस्मिल्ला खाँ को नौबतखाने रियाज़ के लिए जाना पड़ता है। मगर एक रास्ता है बालाजी मंदिर तक जाने का । यह रास्ता रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर जाता है। इस रास्ते से अमीरुद्दीन को जाना अच्छा लगता है। इस रास्ते न जाने कितने तरह के बोल–बनाव कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा के मार्फत ड्योढ़ी तक पहुँचते रहते हैं। रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है। अपने ढेरों साक्षात्कारों में बिस्मिल्ला खाँ साहब ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली हैं।

क) बिस्मिल्ला खाँ कौन थे ? बालाजी मंदिर से उनका क्या संबंध है ?

ख) रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर बालाजी के मंदिर जाना बिस्मिल्ला खाँ को क्यों अच्छा लगता था ?

ग) 'रियाज़' से क्या तात्पर्य है ?

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए – **(2×5=10)**

क) मन्नू भंडारी के पिता की कौन–कौन सी विशेशताएँ अनुकरणीय हैं ?

ख) परंपराएँ विकास के मार्ग में अवरोधक हों तो उन्हें तोड़ना ही चाहिए, कैसे ? 'स्त्री–शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के आधार पर लिखिए ।

ग) 'प्राकृत केवल अपढ़ों की नहीं अपितु सुशिक्षितों की भी भाषा थी'–महावीर प्रसाद द्विवेदी ने यह क्यों कहा है ?

घ) 'संस्कृति' पाठ में लेखक के अनुसार सभ्यता क्या है ?

ङ) रात के तारों को देखकर न सो सकने वाले मनीषी को प्रथम पुरस्कर्ता क्यों कहा गया है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

प्र.11 निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(2+2+1)**

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।

प्रभुता का शरण–बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन –

छाया मत छूना

मन, होगा दुख दूना ।

क) 'मृगतृष्णा' से क्या अभिप्राय है, यहाँ मृगतृष्णा किसे कहा गया है ?

ख) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' – इस पंक्ति से कवि किस तथ्य से अवगत करवाना चाहता है ?

ग) 'छाया' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

प्र.12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए – ;2 5त्र10द्ध

क) परशुराम की स्वभावगत विशेषताएँ क्या हैं ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

ख) 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' – इस कथन पर अपने विचार 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' पाठ के आलोक में लिखिए ।

ग) 'कन्यादान' कविता में वस्त्र और आभूषणों को शाब्दिक–भ्रम क्यों कहा गया है ?

घ) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना ।

ङ) संगतकार की आवाज में एक हिचक सी क्यों प्रतीत होती है ?

प्र.13 **'साना–साना हाथ जोड़ि'** पाठ में प्रदूषण के कारण हिमपात में कमी पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रदूषण के और कौन–कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं ? हमें इसकी रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए ? **(5)**

खण्ड 'द'

प्र.14 <u>किसी एक</u> विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए – ;10द्ध

क) विदेशी आकर्षण

विदेश के लिए मोह, सुविधापूर्ण जीवन, प्रतिष्ठा का प्रश्न

ख) मुसीबत में ही मित्र की परख होती है

अच्छे मित्र की पहचान, मित्र के गुण, निष्कर्ष

ग) प्रकृति का प्रकोप

प्रकृति का दानव स्वरुप, कारण, समाधान

प्र.15 नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन की जाँच मशीन पर एक यात्री के भूलवश छूटे एक लाख बीस हजार रुपए को मेट्रो पुलिस ने उसे लौटा दिया । इस समाचार को पढ़कर जो विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार–पत्र के संपादक को **पत्र** के रूप में लिखिए । ;5द्ध

अथवा

आपकी अपने प्रिय मित्र से किसी बात पर अनबन हो गई थी किंतु अब आपको अपनी गलती का एहसास हो गया है। अतः उसे मनाने के लिए **पत्र** लिखिए । **(5)**

प्र.16 निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक लिखते हुए एक–तिहाई शब्दों में सार लेखन कीजिए – **(5)**

जीवन आजकल बहुत ही व्यस्त हो गया है। अतः विश्राम आजकल स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कुंजी है। अच्छी तरह से विश्राम करने से शरीर तथा दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं। जब हमारी मांसपेशियों में तनाव होता है, तो यह हमारे आंतरिक अंगों को प्रभावित करता है। हमारे सोचने की शक्ति मंद हो जाती है, यहाँ तक कि हमारी दृष्टि पर भी धुँधलापन छा जाता है।

जब हम तनावग्रस्त हों तो हमें अपने शरीर के प्रत्येक भाग का सावधानीपूर्वक विश्राम कराना चाहिए और अंतर को महसूस करना चाहिए । विश्राम प्राप्त मांसपेशियों से मस्तिश्क को विश्राम मिलता है। दिन–प्रतिदिन के जीवन में शरीर अथवा मस्तिश्क को थकाए बगैर अधिक प्रभावी बनाना, इच्छानुसार विश्राम लेने की कला से ही संभव होता है। प्रत्येक गतिविधि को विश्राम लेने के पश्चात् किया जाना चाहिए । यहाँ तक कि हृदय भी धड़कनों के बीच–बीच में विश्राम करता है। विश्राम करना केवल पड़े रहना अथवा निष्क्रियता मात्र नहीं है। विश्राम की कला एक ऐसा संपूर्ण कार्यक्रम है, जो मनोवैज्ञानिक तंत्रों को दुरुस्त करता है। विश्राम करना सीखना एक ऐसा अभ्यास है, जिसमें मनोयोग तथा एकाग्रता की अपेक्षा होती है। विश्राम से एकाग्रता में वृद्धि होती है तथा एकाग्रता से बेहतर समझ का विकास होता है।